मध्यकालीन इतिहास विभाग
अर्न्तमहाविद्यालयीय वाद–विवाद प्रतियोगिता

सदनलाल साँवलदास खन्ना महिला महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास विभाग द्वारा आज दिनांक 09.10.2018 को **"महात्मा गॉधी के आर्थिक विचार–वर्तमान में प्रासंगिक अथवा अप्रासंगिक?"** विषय पर **अर्न्तमहाविद्यालयीय वाद–विवाद प्रतियोगिता** आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में इलाहाबाद विश्वविद्यालय और उसके संघटक महाविद्यालय की कुल 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ये प्रतिभागी थे– अनुपमा, अमन जोत कौर, अर्जुन प्रसाद शुक्ला, अंजली मिश्रा, अंकिता गुप्ता, हर्षिता, कविता पाल, प्रांशु सिंह, सौम्या यादव, सुजीत मौर्या, सुरज कुमार गुप्ता, वशुधरा राज, विशाल यादव, विनय कुमार यादव। प्रतियोगिता के **आयोजक मध्यकालीन इतिहास विभाग के डॉ. शिव शंकर श्रीवास्तव और डॉ. विनीता मिश्रा थीं।**

प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार है–

प्रथम स्थान– विनय कुमार यादव (ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद)
द्वितीय स्थान– सौम्या यादव (सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद)
तृतीय स्थान– कविता पाल (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)
सांत्वना पुरस्कार– अंजली मिश्रा (एस.एस.खन्ना महिला महाविद्यालय, इलाहाबाद)
सांत्वना पुरस्कार– हर्षिता (आर्य कन्या महिला महाविद्यालय, इलाहाबाद)
सांत्वना पुरस्कार– सुजित मौर्या ((ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद)
सांत्वना पुरस्कार– विशाल यादव ((सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद)

विजेता प्रतिभागियों को प्राचार्या डॉ. लालिमा सिंह एवं निर्णायक मण्डल के सदस्यों डॉ. सत्येंन्द्र नाथ (सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद), डॉ. रचना सिंह (ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद), डॉ. हरीश श्रीनिवासा (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद) द्वारा ट्राफी और प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के विषय वस्तु का प्रवर्तन डॉ. शिव शंकर श्रीवास्तव ने किया। अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्या डॉ. लालिमा सिंह ने महात्मा गॉधी के आर्थिक विचारों को वर्तमान में भी प्रासंगिक बताया। संचालन छात्रा रीतिका केसरवानी तथा आकृति मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विनीता मिश्रा ने किया। डॉ. सत्येंन्द्र नाथ, डॉ. रचना सिंह, डॉ. हरीश श्रीनिवासा को क्रमशः डॉ. विनीता मिश्रा, डॉ. अल्पना अग्रवाल, तथा डॉ. शिव शंकर श्रीवास्तव ने स्मृति चिन्ह भेंट किया।